18.03.24 पेशी से गिरकर पत्रावली आज पेशी में ली गई। वकील वादीगण या वादीगण स्वयं उपस्थित नहीं। बार-बार आवाज लगाने पर भी उपस्थित नहीं आये। अतः वादीगण का यह वाद पत्र अदम-पैरवी-अदम हाजिरी में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली बाद तरतीब तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(मनोज कुमार मीणा)
R.A.S.

Signature Not Verified

Digitally signed by Manoj Kumar Meena
Date: 2024.05.23 10:26:22 IST
Reason: SelfAttested